बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग-१—कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

[सोमवार, तिथि २५ जुलाई, १९७७ ई०]

विषय-सूची

विषय		पृष्ठ
प्रश्नों के मौखिक उत्तर		
अल्पसूचित प्रश्नोत्तर संख्या : ७५, ८२ एवं १३७	—	१—१३
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या : १४ एवं ६२४	—	१३—२२
परिशिष्ट (प्रश्नों के लिखित उत्तर)	—	२२—९६
दैनिक निबन्ध	...	९७—९८

टिप्पणी – जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है, उनके नाम के आगे (❀) चिह्न लगा दिया गया है।

(२) क्या यह बात सही है कि १४ हजार वर्ग-कक्षों का निर्माण कार्य आरम्भ किया गया, पर वे किसी कारणवश नहीं बन पाये।

(३) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो इन अधूरे विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य कब तक पूरा करने का बिचार करती है।

श्री कर्पूरी ठाकुर—(१) उत्तर इस प्रकार है—

राज्य में प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों की कुल संख्या ६१,५४५ है। प्राथमिक विद्यालयों की संख्या ५१,४४६ है, जिनमें से करीब ४० प्रतिशत अर्थात् करीब २२,००० प्राथमिक विद्यालयों को अपना भवन नहीं है।

(२) समय-समय पर उपलब्ध अनुदान से १५,०५२ वर्ग-कमरों के निर्माण की स्वीकृति दी गयी है, जिनमें से लगभग ११,००० वर्ग-कमरों का निर्माण कार्य समाप्त हो चुका है।

(३) राशि के अभाव में शेष अधूरे कमरों का निर्माण तत्काल सम्भव नहीं है। राशि के उपलब्ध होने पर ही इनका निर्माण कार्य पूरा कराना संभव होगा।

———

चापाकल की मरम्मत।

६२२। श्री रामचरित्र राय यादव—क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(१) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत सुरसंड बाजार के मुस्लिम टोला में सरकारी चापाकल गड़ा हुआ है;

(२) क्या यह बात सही है कि उक्त चापाकल दो वर्षों से खराब है;

(३) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त गाँव में चापाकल की पुनः मरम्मती करने का विचार रखती है; यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री कर्पूरी ठाकुर—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उक्त चापाकल विशेष मरम्मती नहीं होने के कारण फरवरी, ६७ से खराब है।

(३) निधि उपलब्ध होने पर विशेष मरम्मती करा दी जायगी।

———